Mahila college Dalmianagar
Department of History
BA III (Hons)

Dr. Anu kumari
Date :- 27/07/2024

Topic

चौसा का युद्ध

=> चौसा का युद्ध भारत में मुगल सम्राट हुमायूँ और सूरी साम्राज्य के संस्थापक शेर शाहसूरी के बीच हुआ एक युद्ध था। यह 29 June 1539 को आधुनिक बिहार राज्य के बक्सर जिले में स्थित चौसा जिले के पास लड़ा गया। इसमें शेर शाह सूरी की विजय हुई और हुमायूँ अपनी जान बचाने के लिए रणभूमि से भाग गया।

विवरण :-

हुमायूँ के सेनापति हिन्दू बेग चाहते थे कि वह गंगा के उत्तरी तट से जौनपुर तक अफगानों को वहाँ से खदेड़ दे, परन्तु हुमायूँ ने अफगानों की गतिविधियों पर बिल्कुल ध्यान नहीं दिया। शेर खाँ ने एक अफगान को दूत बनाकर भेजा जिससे उसकी सेना की दुर्व्यवस्था की सूचना मिल गई फलस्वरूप 1539 में उसने अचानक रात में हमला कर दिया। बहुत से मुगल सैनिक गंगा में कूद पड़े और डूब गये या अफगानों के तीरों के शिकार हो गये। हुमायूँ स्वयं डूबते डूबते बच गया। इस प्रकार युद्ध में अफगानों को विजयश्री मिली।

इस समय अफगान अमीरों ने शेर खाँ से सम्राट पद स्वीकार करने का प्रस्ताव किया। शेर खाँ ने सर्वप्रथम अपना राज्य अभिषेक करवाया। बंगाल के राजाओं के छत्र उसके सिर के ऊपर लगाया गया और उसने शेरशाह आलम सुल्तान उल आदिल की उपाधि धारण की। इसके बाद शेरशाह ने अपने बेटे जलाल खाँ को बंगाल पर अधिकार करने के लिए भेजा जहाँ जहाँगीर कुली की मृत्यु एवं पराजय के बाद खिज्र खाँ बंगाल का हाकिम नियुक्त किया गया। बिहार में शुजात खाँ को शासन का भार सौंप दिया और रोहतासगढ़ को सुपुर्द कर दिया, फिर लखनऊ, बनारस, जौनपुर होते हुए और शासन की व्यवस्था करता हुआ कन्नौज पहुँचा।

~~कन्नौज~~ अतः चौसा की लड़ाई मुगल सम्राट हुमायूँ और अफगान शेरशाह सूरी के बीच एक उल्लेखनीय सैन्य लड़ाई थी। इसमें शेरशाह विजयी हुआ और उसने खुद को फरीद-उल-दीन शेरशाह का ताज पहनाया।